बर्षः- 06
अंकः- 79
मुरादाबाद
(Thursday)
09 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का किया शुभारंभ

धर्मनगरी पहुंचे CM योगी, बोले- चित्रकूट प्रभु राम के संबल का प्रतीक, लोक कल्याण के लिए सरकार संकल्पबद्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंच गए हैं। देवांगना एयरपोर्ट पर जिला प्रशासन और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद मुख्यमंत्री सीधे जनसभा स्थल पहुंचे हैं।एयरक्राफ्ट और फ्लाइट शुरू करने का आश्वासन

पिछली सरकारों ने चित्रकूट की पहचान का संकट किया खड़ा। आने जाने के साधन नहीं थे। वाल्मीकि आश्रम बदहाल था। चित्रकूट उपेक्षित था। कहा कि पहले दौरे पर ही निर्णय किया कि चित्रकूट बहुत कुछ पाने का अधिकारी है। उन्होंने पहाड़ पर बने चित्रकूट एयरपोर्ट को जल्द एयरक्राफ्ट देने और फ्लाइट शुरू करने का आश्वासन दिया।सीएम योगी ने कहा कि प्रभु राम के सहयोग की कृतज्ञता स्वरूप आज 950 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। बोले कि महर्षि वाल्मीकि की आज्ञा से भगवान राम चित्रकूट आए और करीब 12 साल बिताए। यहीं से दंडकारण्य गए। रामायण की ये गाथा हमें नई प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत %रामचंद्र की जय% के उद्घोष के साथ की। उन्होंने चित्रकूट को प्रभु राम के संबल का प्रतीक बताते हुए महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि, तुलसीदास की जन्मस्थली और मंदाकिनी-कामदगिरि जैसी पवित्र धरा को नमन किया।बता दें कि कुल 950 करोड़ की इन परियोजनाओं में 394.70 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और 556.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इसमें सबसे अधिक प्राथमिकता लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 61 परियोजनाओं को दी गई है।एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे जनसभा स्थल के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री के जनसभा स्थल पर पहुंचते ही वहां मौजूद जनसैलाब ने उनका स्वागत किया। चित्रकूट के इस दौरे को विकास और जनकल्याणकारी परियोजनाओं के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के आगमन के साथ ही अब क्षेत्र में 950 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की औपचारिक शुरुआत होने जा रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अपने दो दिवसीय दौरे के अंतर्गत चित्रकूट पहुंच गए हैं। देवांगना घाटी स्थित एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उतरते ही पूरा वातावरण उत्साह से भर गया। आगमन के साथ ही प्रोटोकॉल के अनुसार स्थानीय अधिकारियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी अगवानी की।

भव्य स्वागत और सुरक्षा का घेरा हवाई अड्डे पर भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू, कमिश्नर अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए पूरे मार्ग पर विशेष सतर्कता बरती गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंच गए हैं। देवांगना एयरपोर्ट पर जिला प्रशासन और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद मुख्यमंत्री सीधे जनसभा स्थल पहुंचे हैं।

पिछली सरकारों ने चित्रकूट की पहचान का संकट किया खड़ा। आने जाने के साधन नहीं थे। वाल्मीकि आश्रम बदहाल था। चित्रकूट उपेक्षित था। कहा कि पहले दौरे पर ही निर्णय किया कि चित्रकूट बहुत कुछ पाने का अधिकारी है। उन्होंने पहाड़ पर बने चित्रकूट एयरपोर्ट को जल्द एयरक्राफ्ट देने और फ्लाइट शुरू करने का आश्वासन दिया। सीएम योगी ने कहा कि प्रभु राम के सहयोग की कृतज्ञता स्वरूप आज 950 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। बोले कि महर्षि वाल्मीकि की आज्ञा से भगवान राम चित्रकूट आए और करीब 12 साल बिताए। यहीं से दंडकारण्य गए। रामायण की ये गाथा हमें नई प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत %रामचंद्र की जय% के उद्घोष के साथ की। उन्होंने चित्रकूट को प्रभु राम के संबल का प्रतीक बताते हुए महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि, तुलसीदास की जन्मस्थली और मंदाकिनी-कामदगिरि जैसी पवित्र धरा को नमन किया। बता दें कि कुल 950 करोड़ की इन परियोजनाओं में 394.70 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और 556.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इसमें सबसे अधिक प्राथमिकता लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 61 परियोजनाओं को दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में रामलला का दर्शन करने पहुंचे एक्टर अनुपम खेर, चढ़ावा चोरी को लेकर दिया बयान

फिल्म अभिनेता अनुपम खेर अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन करने पहुंचे और मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की आस्था कम नहीं होगी।फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने राम मंदिर से जुड़े हालिया चोरी प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी एक व्यक्ति के गलत कृत्य से मंदिर की गरिमा और श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अयोध्या में अपनी नई फिल्म श्री राम जन्मभूमि की शूटिंग शुरू करने से पहले हनुमानगढ़ी और रामजन्मभूमि में दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घर में चोरी होने पर लोग चोर को कोसते हैं, घर को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस राम मंदिर के निर्माण के लिए सदियों का संघर्ष हुआ, उसकी प्रतिष्ठा कुछ लोगों की गलत हरकतों से कम नहीं हो सकती। गलत काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन मंदिर, भगवान श्रीराम और सनातन धर्म को इससे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।अनुपम खेर ने कहा कि दान श्रद्धा और विश्वास का विषय है। किसी घटना के कारण लोगों की आस्था डगमगानी नहीं चाहिए। उन्होंने बताया कि उनकी नई फिल्म श्री राम जन्मभूमि% की शूटिंग अयोध्या में 10 से 12 दिनों तक चलेगी और इसकी शुरुआत भगवान श्रीराम व हनुमान जी के आशीर्वाद से की गई है।

प्रम्बानन मंदिर भ्रमण के साथ इंडोनेशिया दौरा पूरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ प्रम्बानन मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी के दौरे की तस्वीरें सामने आई हैं। पीएम मोदी इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के साथ विमान से यूनेस्को की विश्व धरोहर देखने पहुंचे। उन्होंने इस धरोहर को देखने के बाद कहा कि इंडोनेशिया की हवा में संस्कृति की खुशबू है। इंडोनेशिया यात्रा पूरी करने के बाद प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। पीएम मोदी की यात्रा को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त नागेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज के साथ उनकी बैठकों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मेलबर्न आ रहे प्रधानमंत्री की इस यात्रा का एजेंडा बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा, 2022 में दोनों देशों के बीच व्यापक

रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों प्रधानमंत्रियों के पास रणनीतिक साझेदारी और आगे की दिशा तय करने का अवसर है। भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक हैं। उच्चायुक्त के मुताबिक दोनों देशों के बीच रक्षा से लेकर व्यापार और निवेश, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जन-संपर्क, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, शिक्षा जैसे तमाम पहलुओं पर विस्तार से बातचीत होगी।6 से 8 जुलाई तक तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा के बाद पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए। अपने तीसरे आधिकारिक दौरे पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे। 12 साल के अंतराल के बाद मेलबर्न जा रहे पीएम मोदी ने आखिरी दौरा नवंबर 2014 में किया था। वे मई 2023 में भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे।ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले कई अन्य लोगों ने भी बताया कि भारत के साथ सांस्कृतिक रिश्ता काफी मजबूत है। रोजमर्रा की जरूरतों, किराना दुकानों, मंदिरों और चर्चों को पारंपरिक विरासत के साथ यहां रहने वाले लोग सहजता से जुड़ जाते हैं। क्लेटन में रहने वाली प्रवासी समुदाय की अदिति पटेल भी प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर उत्साहित दिखीं। उन्होंने कहा कि अपने देश जैसी सुविधाओं की उपलब्धता विदेश में रहने को एक सुखद अनुभव बनाती है। उन्होंने कहा, %यहां आनंद लेने के लिए बहुत कुछ है। यहां सभी किराने की दुकानें, रेस्तरां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंदिर और चर्च मौजूद हैं। हम यहां का भरपूर आनंद लेते हैं। प्रधानमंत्री के यहां आने से मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं उनसे मिलना चाहती थी, लेकिन मुझे विश्वविद्यालय का कुछ काम है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि वे मेलबर्न आ रहे हैं।क्लेटन में रहने वाले भारतीय प्रवासी स्मित मूल रूप से गुजरात के सूरत से हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के अधिकांश रेस्तरां भारतीय रेस्तरां हैं। स्मित ने बताया, %यहां कई समुदाय रहते हैं, लेकिन मैं कह सकता हूं कि इस क्षेत्र की 50-60त्न आबादी भारतीयों की है। इसीलिए इसे मिनी इंडिया% कहा जाता है। इसके आसपास के उपनगरों में भी भारतीय और एशियाई आबादी है। यहां घर जैसा महसूस होता है। प्रधानमंत्री के मेलबर्न दौरे से मैं बहुत उत्साहित हूं।

विवादों से परहेज, आस्था को सहेज... विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर सपा ने बनाई नई रणनीति

समाजवादी पार्टी ने अपनी छवि बदलने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी अब पीडीए के सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले के साथ सनातनी प्रतीकों पर भी काम करना शुरू कर दिया है।उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी ने बड़े वैचारिक और रणनीतिक बदलाव के संकेत दिए हैं। पार्टी ने अब विवादित मुद्दों से दूरी बनाते हुए हिंदू प्रतीकों के इस्तेमाल की सोची-समझी रणनीति पर अमल करना शुरू कर दिया है। इस नई दिशा का सबसे ताजा उदाहरण राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे सपा आमजन के बीच खुद को सनातनी और हिंदू सरोकारों के प्रति संवेदनशील पार्टी के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर

रही है। पार्टी अब उन प्रतीकों और आस्था के केंद्रों से जुड़े मुद्दों पर मुखर हो रही है, जिन पर अमूमन भाजपा का एकाधिकार माना जाता था। राम मंदिर से जुड़े मामले पर पार्टी का रुख साफ करता है कि वह बहुसंख्यक समाज की आस्था से जुड़े विषयों पर बैकफुट पर रहने के मूड में नहीं है। विवादों से किनारा करना सपा की चुनावी रणनीति का दूसरा अहम पहलू है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपने नेताओं को स्पष्ट संकेत दिया है कि ऐसी किसी भी संवेदनशील या धार्मिक बयानबाजी से बचा जाए जिससे समाज में धार्मिक ध्रुवीकरण की स्थिति पैदा हो या पार्टी पर तुष्टिकरण का ठप्पा लगे। अतीत के अनुभवों से सीख लेते हुए सपा अब अपनी छवि को अधिक समावेशी और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य बनाने में जुटी है। जनाधार बढ़ाने का संजीदा प्रयास- सपा का यह बदला हुआ अंदाज आगामी चुनावों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले के साथ सनातनी प्रतीकों पर काम अपनाकर जनाधार बढ़ाने के उसके संजीदा प्रयासों का हिस्सा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि सपा की यह नई राजनीतिक पिच उसे जमीन पर कितना फायदा पहुंचाती है।

इन सीटों पर बसपा खेल सकती है मुस्लिम कार्ड, चुनाव से पहले ये परिवार हो सकता है हाथी पर सवार; वापसी का गणित

यूपी में मेरठ शहर और दक्षिण विस सीटों पर बसपा मुस्लिम कार्ड खेल सकती है। चुनाव से पहले एक परिवार हाथी पर सवार हो सकता है। रणनीतिकारों का दावा है कि मेरठ की सातों सीटों पर मजबूत प्रत्याशी उतारे जाएंगे।जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के नारे को बसपा आगामी विधानसभा चुनाव में साकार करने के फार्मूले पर काम कर रही है। इसके लिए पार्टी मेरठ शहर और दक्षिण विधान सभा सीटों पर मुस्लिम कार्ड खेल सकती है। कहा जा रहा है कि विस चुनाव से पहले अखलाक परिवार हाथी की सवारी कर सकता है। वर्ष 2012 के विस चुनाव के बाद से बसपा का ग्राफ यूपी में लगातार गिरता चला गया। बसपा ने पूर्व में दलित, मुस्लिम, ओबीसी और ब्राह्मणों को साधकर यूपी की सत्ता हासिल की थी। मुस्लिम, ओबीसी ने जब से बसपा से किनारा किया तो बसपा पश्चिमी यूपी से पूरी तरह साफ हो गई। अब फिर से बसपा सोशल

इंजीनियरिंग के माध्यम यूपी की सत्ता में वापसी का गणित बैठा रही है। अगर हम मेरठ शहर और मेरठ दक्षिण विधान सभा सीट की बात करें तो ये दोनों सीटें मुस्लिम बाहुल्य मानी जाती हैं। जातीय आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर सीट पर 1.70 लाख मुस्लिम मतदाता हैं।बसपा का कोर वोट बैंक जाटव समाज की तादात 26 हजार है। इसी तरह मेरठ दक्षिण सीट पर 1.80 लाख मुस्लिम और 95 हजार दलित वोट बैंक है। इसीलिए मेरठ की इन दोनों सीटों पर बसपा मुस्लिम कार्ड खेलने की तैयारी में है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी मुनकाद अली का कहना है कि मुस्लिम समाज के प्रभावशाली नेताओं ने पार्टी से संपर्क किया है। इनके प्रस्तावों पर विचार किया जा सकता है। मेरठ के पुराने बसपाई अखलाक परिवार की बसपा से करीबी छिपी नहीं है। राशिद अखलाक 2012 में बसपा से मेरठ दक्षिण सीट से विधान सभा चुनाव सिर्फ छह हजार वोट से हारे थे। इनके पिता शहर से विधायक रहे और भाई शाहिद अखलाक सांसद और मेरठ के महापौर रहे हैं। इसका फायदा उनको चुनाव में मिल सकता है। पार्टी के नेताओं से लगातार संपर्क में हैं राशिद अखलाक- इसलिए बसपा से मेरठ शहर और दक्षिण विधान सभा में से किसी एक से टिकट की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में बसपा के जिलाध्यक्ष मोहित जाटव का कहना है कि पार्टी मेरठ शहर या दक्षिण विधान सभा सीट पर नहीं बल्कि मेरठ की सभी सातों सीटों पर मजबूत प्रत्याशी उतारेगी। बड़े स्तर पर सभाएं करके प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। राशिद अखलाक पार्टी के नेताओं से लगातार संपर्क में हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः ट्रस्ट की ट्रेजरी भी चला रहे थे चंपत, गोविंद देव सिर्फ नाम के कोषाध्यक्षः हुआ खुलासा

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक होने के बाद आ रहे तमाम बयानों से और परतें खुलने लगी हैं। अब सामने आया है कि ट्रस्ट की ट्रेजरी भी चंपत ही चला रहे थे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक होने के बाद आ रहे तमाम बयानों से और परतें खुलने लगी हैं। ट्रस्ट के ट्रेजरी प्रभारी भले ही गोविंद देव गिरी हैं लेकिन उसकी चाबी चंपत राय के पास ही थे। बतौर महासचिव वही पूरा लेनदेन, खर्च आदि देख रहे थे। गोविंद देव सिर्फ नाम के कोषाध्यक्ष थे। कोई नहीं, गोविंद ने ही कुछ ऐसे बयान दिए, जिससे इस बात की पुष्टि होती है। ट्रस्ट की बैठक से पहले गोविंद देव गिरी ने एक बयान जारी किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अधिकतर प्रवास पर रहते हैं। एक डेढ़ महीने में वह अयोध्या आते हैं। वह प्रत्येक महीने पुणे से उनकी टीम के सीए आदि आते हैं जो पूरा लेखा जोखा तैयार करते है। इसके अलावा उन्होंने स्पष्ट किया था बैंक संबंधी व्यय आदि के मामले में उनके कहीं कोई हस्ताक्षर नहीं होते हैं। यहां तक कि गणना प्रक्रिया पहली बार पिछले महीने समझी थी, आज तक उनको पता नहीं था कि क्या प्रक्रिया होती है। बाद में जो उन्होंने बयान भी दिए

संपादकीय Editorial

These advocates of Pakistan

Why should India negotiate with Pakistan? Why restore diplomatic, cultural, social, and professional relations? Should a terrorist state be taught a lesson or should love be expressed through dialogue? Have the 117 faces who are advocating for Pakistan today forgotten that 'Operation Sindoor' is still ongoing? Have they forgotten the massacre in Pahalgam? Have they forgotten the sacrifice of the 40 'martyrs' in Pulwama? Have they forgotten the conspiracies of pro-Pakistan demons and murderers, from Uri to the 26/11 Mumbai terror attacks? Have these advocates lost any of their loved ones to terrorism? How and who can forget the suffering, the murder, the pain, the emptiness, the empty courtyards, the ruined vermillion? What compels India to negotiate with Pakistan's terrorist, murderous regime? What does this hungry, naked, and indebted country have that it can provide India? And what guarantee is there that tensions on the borders will subside after dialogue and relations are restored? Terrorists will not be sent across the border? Will anti-India propaganda, under the guise of Kashmir, cease on global platforms? Has the snake ever changed its nature? The 117 people who have written an open letter to Prime Minister Modi and alleged Prime Minister Shahbaz Sharif, urging India-Pakistan dialogue and better, more effective relations, include former Jammu and Kashmir Chief Ministers Dr. Farooq Abdullah and Mehbooba Mufti, as well as former Union Ministers Mani Shankar Aiyar and Saifuddin Soz. Mani Shankar went to Pakistan with Salman Khurshid to plead for help in removing the Modi government. This incident occurred in November 2015. Both alleged Congress leaders had said that India-Pakistan relations could not improve without removing Modi. Now that they are included in the list of advocates, that claim is completely meaningless. Former head of the intelligence agency RAW, A.S. Dulat, is also on the list. He is well-versed in the very core of Pakistan and has witnessed numerous terrorist attacks. We don't know how prominent diplomats like OP Shah, Manoj Jha, Jawahar Sarkar, etc. are, but the 61 Indian names on the list are undoubtedly staunch opponents of Prime Minister Modi and pro-Pakistan figures. Who cares about them today? What relevance do they have? Has any of them written a letter to the Prime Minister of Pakistan urging him to stop breeding terrorist snakes? To dismantle their bases. The government and military should also stop financially supporting terrorists and providing them "jihadi support." In fact, whenever terrorism is mentioned, these advocates start stammering or resort to abusive language. A Pakistani minister is threatening to stockpile 130 nuclear weapons for India. Former Foreign Minister Bilawal Bhutto is currently threatening "nuclear war." One nefarious minister even said that if anyone touches water, they will break his hand. Pakistan's alleged Deputy Prime Minister, Ishaq Dar, considers blocking the Indus River waters an act of war. Has Pakistan forgotten the attacks of "Operation Sindoor," in which 11 of its airbases were razed to the ground? Anyway, will India negotiate with a government run by such terrorist, threatening ministers? Why would it? Have these 117 "retired faces" forgotten that terrorists based and active in Pakistan have killed over 40,000 innocent people, destroyed monasteries and temples, and violated the dignity and honour of women? Who in Pakistan wants better relations? The people lack even flour, pulses, rice, sugar, fruits, and vegetables. Are such people fully aware of the horrific, ugly realities? Pakistan should first calm the situation in Balochistan, Khyber, and so-called Azad Kashmir, where the nefarious army is openly gunning down civilians.

India-China Development Model: Why India Shouldn't Be Like China, There Are Many Reasons

Nooyi described India as a country full of turmoil, while China is a country of uniformity. Does rapid development only mean tall buildings and wide roads? Or does a country's true strength also lie in its citizens' freedom, democratic institutions, and social balance? Former PepsiCo CEO Indra Nooyi made an important observation regarding the development models of India and China. Indeed, Nooyi described India as a country full of turmoil, while China is a country of uniformity. Nooyi's views have once again brought to the fore a debate that has arisen periodically over the years. The question remains: should India be like China? Does rapid development only mean tall buildings, wide roads, huge factories, and bullet trains? Or does a country's true strength also lie in its citizens' freedom, democratic institutions, and social balance?

It is true that India and China are both major Asian economies, but the foundations of their development journeys are completely different. India's history, democratic tradition, social diversity, and constitutional system distinguish it from China. Therefore, while it's natural to compare India to China, it's equally important to understand that India's path is different. Perhaps this is its greatest strength. The reality behind China's development model: If we look at this comparison objectively, China's development model appears attractive, but it also has a rigid administrative system behind it. The Communist Party has a one-party system, where the government's decisions are considered final. Decisions related to the construction of major infrastructure are made very quickly and implemented, but it's also true that citizens there lack the freedom to oppose government decisions or challenge them in court, unlike in India. If a project requires the displacement of thousands of people, the process is completed in a very short time.

In India, the process goes through multiple stages, from land acquisition to environmental clearance and judicial review. This often delays projects, but this is the price of democracy. Here, even an ordinary farmer can approach the court. The government's decision can be challenged. This democratic system is the greatest safeguard for citizens' rights.

This is why India's development journey sometimes appears slow, but its foundation rests on dialogue, consensus, and the rule of law. The pace of development is important, but even more important is that the development process be equitable and ensure the participation of all sections of society.

Furthermore, China's development model is facing many new challenges today. Due to the decades-long "one-child policy," the population balance is rapidly changing. The working-age population is declining. The number of elderly people is steadily increasing. This is having an impact on both the economy and the labor market.

Mental stress, loneliness, and excessive competition have also become serious concerns in Chinese society. In recent years, trends like "tangping," meaning "lying down," and "balan," have been discussed worldwide. Through these trends, a large number of young people are talking about distancing themselves from the highly competitive lifestyle. They want to break away from the traditional race for success in search of a better life. This situation shows that economic development alone cannot solve all the problems of a society.

India's greatest strengths lie in its young population, strong family system, and social diversity. Here, the family remains the greatest foundation of social security. There is a tradition of dialogue in society. There is space for dissent. There is also freedom to express one's views through democratic institutions. These characteristics provide India with a distinct development model. From a religious and cultural perspective, the differences between India and China are even more pronounced.

In China, the state has deep control over religious activities and cultural expressions. Whether it is the Buddhist tradition of Tibet or the issues related to Uighur Muslims in the Xinjiang region, these issues have been continuously discussed internationally. Even religious institutions there can operate only within the limits set by the state.

India, with its Vasudhaiva Kutumbakam and Sarvadharma Samabhava (the world is one family and all religious harmony), presents a completely different picture. This is a country of diversity, where different religions, languages, traditions, and ways of life have co-evolved over centuries. Ideas like Vasudhaiva Kutumbakam and Sarvadharma Samabhava are not limited to our scriptures but are also a part of our social life.

The language changes every few kilometers. Food habits change. Folk traditions change, but this diversity becomes India's greatest cultural strength. India's democracy is not limited to elections alone. Perhaps the essence of Indra Nooyi's comment is that India should recognize its strengths. There is no need to blindly adopt another country's model. Every country has its own historical circumstances, social structure, and political system. The model that worked for China may not necessarily be the same for India. Today, as India moves towards the goal of a 'developed India,' the biggest challenge before us is not just achieving rapid economic growth.The challenge is also to ensure development that safeguards citizen dignity, protects the environment, strengthens the justice system, and maintains social diversity. Indeed, a nation's success cannot be measured solely by its GDP. Equally important are its citizens' freedom, their access to justice, their cultural identity, and their freedom to express themselves. India's greatest asset is its democratic consciousness. Here, development does not simply mean economic progress, but progress with social justice, constitutional values, and human dignity. This is the path that gives India a distinct identity in the world. Undoubtedly, India faces many challenges, but their solutions will not be found by weakening democratic institutions, but by making them more efficient, transparent, and accountable. The dream of a "developed India" will be realized only when strong institutions are built alongside tall buildings. A fast-growing economy enhances citizens' trust. Modern technology sustains human sensibilities. Cultural self-confidence continues to strengthen alongside economic prosperity.

Relevance of SIT: When and why is this team necessary?

The full form of SIT stands for 'Special Investigation Team'. In India, it can be formed by the Supreme Court, High Court, Central Government, or State Government. Nowadays, when the general police are no longer trusted to investigate major scams, riots, or sensitive cases, a Special Investigation Team (SIT) is formed. This is a special team created for impartial and speedy investigation of serious crimes. Ever since the scam involving donations for the Shri Ram Temple in Ayodhya came to light, the term 'SIT' has become increasingly discussed. For the average citizen, it can be understood simply this way: Just as special coaches and referees are called in to replace players when a major game goes awry, the SIT is expected to operate impartially and transparently, unlike regular investigating agencies. The full form of SIT stands for Special Investigation Team. In India, it can be formed by the Supreme Court, High Court, Central Government, or State Government. Its primary purpose is to investigate cases where the regular police force proves inadequate, such as those involving political influence, major scams, communal riots, or complex financial crimes. According to the law, a preliminary report, or FIR, is essential for forming an SIT. Under Section 154 of the CrPC (now BNSS), whenever a cognizable offense is reported, the police must register an FIR. An SIT cannot be formed without an FIR. If the police do not register an FIR, the victim can approach a higher authority or magistrate. In several decisions, the Supreme Court has clearly stated that an investigation cannot begin without an FIR. Under the Constitution and the law, the SIT is granted complete freedom to question witnesses related to a criminal case, collect evidence, and conduct raids. If necessary, it can also use forensic investigations, digital evidence, and experts. Upon completion of the investigation, it submits a report to the court, which is the basis for the trial. It is noteworthy that the SIT report is considered a crucial piece of evidence in court, but the final decision rests with the court. Now, regarding the difference between a court-appointed SIT and a government-appointed SIT, a government-appointed SIT can be formed by any state government or the central government. However, it carries a greater risk of political influence. Since the team members are government officials, questions about impartiality can arise. On the other hand, a court-appointed SIT is ordered by the Supreme Court or High Court. This SIT is considered more impartial and independent because it is under court supervision. The court can periodically review the SIT's work and issue further instructions. It is noteworthy that people have greater trust in a court-appointed SIT because it operates under the aegis of the judiciary, above the government. Numerous SITs have been formed in India's history, playing a significant role. The Supreme Court formed SITs in several cases related to the 2002 Gujarat riots. This team, led by former CBI Director R.K. Raghavan, did secure convictions in some cases. However, some cases were also controversial. In the 2G spectrum scam, a special court was formed in addition to the CBI investigation, which played a role similar to that of the SIT, but ultimately resulted in the acquittal of all the accused. This means that whether it's an SIT or a CBI, they must gather strong evidence, otherwise the case weakens. Successes have been achieved when the SIT is independent and the evidence.

अब फायर सेफ्टी मानकों पर घिरी आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी, सात दिन में मांगे दस्तावेज, जारी किया गया नोटिस

रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 22 भवनों में फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी मिलने पर अग्निशमन विभाग ने नोटिस जारी किया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन से सात दिन के भीतर भवनों के दस्तावेज और सुरक्षा संबंधी अभिलेख मांगे गए हैं। निर्धारित समय में जवाब न मिलने पर विभाग ने दी है।सपा नेता आजम खां फायर सेफ्टी मानकों को लेकर 22 भवनों में फायर सेफ्टी पर अग्निशमन विभाग ने के भीतर भवनों के अभिलेख पर विभाग ने विधिक कार्रवाई विभाग की सख्ती के बाद यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसा विकास प्राधिकरण ने मानचित्र

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी की जौहर यूनिवर्सिटी अब घिर गई है। यूनिवर्सिटी के नियमों की अनदेखी मिलने नोटिस जारी कर सात दिन मांगे हैं। जवाब न मिलने की चेतावनी दी है। आयकर अब प्रशासन ने जौहर है। पिछले दिनों रामपुर स्वीकृत न होने पर विश्वविद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया था।इसके बाद 29 जून और एक जुलाई को फायर विभाग की टीम ने विश्वविद्यालय परिसर का संयुक्त अग्नि सुरक्षा ऑडिट और भौतिक निरीक्षण किया। जांच में कई कमियां मिलने पर विभाग ने नोटिस जारी कर सभी कमियों को दूर करने, आवश्यक फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं तय मानकों के अनुरूप स्थापित कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी भवनों की ड्राइंग संबंधी दस्तावेज भी सात दिन के भीतर उपलब्ध कराने को कहा है।इन भवनों में मिलीं कमियां- शैक्षणिक भवन, प्रशासनिक ब्लॉक, मेडिकल कॉलेज, पुस्तकालय, छात्र-छात्रा छात्रावास, आवासीय परिसर और ऑडिटोरियम सहित विश्वविद्यालय के 22 ब्लॉकों की जांच की गई। जांच में अधिकांश भवनों में भारतीय मानक ब्यूरो तथा अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम के अनुरूप अग्नि सुरक्षा प्रबंध अधूरे मिले। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था भी नहीं मिली- यूनिवर्सिटी परिसर के कई स्थानों पर अग्निशामक यंत्रों की संख्या निर्धारित मानकों से कम पाई गई। कई भवनों में आपातकालीन निकास, सीढ़ियों की चौड़ाई और अन्य सुरक्षा इंतजाम भी मानक के अनुरूप नहीं मिले। आवासीय ब्लॉकों में अग्निशमन व्यवस्थाएं बेहद कमजोर मिलीं, जबकि ऑडिटोरियम की होजरील प्रणाली बंद हालत में पाई गई। पिछले दिनों जौहर विश्वविद्यालय में अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया गया था, जिसमें तमाम कमियां मिली थीं। इस पर नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर भवनों के अभिलेख मांगे गए हैं। यदि निर्धारित अवधि में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए या नोटिस में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया गया, तो उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम-2022 और नियमावली-2024 के तहत विश्वविद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। -विजय कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारीआरडीए भी दे चुका है नोटिस- पिछले माह रामपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने 38 भवनों के स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत न किए जाने पर जौहर यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी किया था। इसका जवाब अभी यूनिवर्सिटी की ओर से नहीं आया है। प्रशासन ने इस मामले में हाईकोर्ट में कैविएट भी दाखिल की है, ताकि यदि यूनिवर्सिटी हाईकोर्ट की शरण ले तो प्रशासन का पक्ष भी सुना जा सके।

कल मेरी शादी है बिजली गुल होते ही शिकायत लेकर बिजलीघर पहुंच गया दूल्हा, अफसर भी रह गए हैरान

मुरादाबाद में घंटों बिजली कटौती से लोग परेशान रहे। इस बीच शादी से एक दिन पहले घर में बिजली गुल होने पर एक दूल्हा खुद बिजलीघर पहुंच गया और अधिकारियों से जल्द आपूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई। वहीं कई इलाकों में फॉल्ट और वोल्टेज की समस्या के बाद बिजली व्यवस्था सामान्य की गई।मुरादाबाद में मंगलवार को भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई। शहर के कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रही। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच लाइनपार स्थित धक्का बिजलीघर में अजीब नजारा सामने आया।अपनी शादी से एक दिन पहले एक दूल्हा बिजली नहीं आने की शिकायत लेकर खुद बिजलीघर पहुंच गया। रामलीला मैदान के पास रहने वाले युवक की बुधवार को शादी है। घर में बारात की तैयारियां, रिश्तेदारों का आना-जाना और अन्य रस्में चल रही थीं।इसी दौरान इलाके की बिजली गुल हो गई। काफी देर तक आपूर्ति बहाल नहीं होने पर दूल्हा खुद बिजलीघर पहुंचा और अधिकारियों से कहा कि कल मेरी शादी है, घर में अंधेरा है, जल्द बिजली चालू कराइए। दूल्हे की बात सुनकर बिजलीघर में मौजूद कर्मचारी और अन्य लोग भी कुछ देर के लिए हैरान रह गए।उधर, दौलतबाग बिजलीघर से जुड़े क्षेत्रों में सुबह करीब 10 बजे हाईटेंशन लाइन का जंपर टूटने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। दौलतबाग, तहसील स्कूल और दीवान का बाजार क्षेत्र के लोगों को करीब छह घंटे तक बिजली कटौती झेलनी पड़ी। बिजलीघर का फोन नहीं उठने पर लोगों ने अधिकारियों से संपर्क किया, तब जाकर फॉल्ट की जानकारी मिल सकी। शाम करीब चार बजे आपूर्ति बहाल होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। बुद्धि विहार क्षेत्र में दोपहर के समय लो और हाई वोल्टेज की समस्या भी बनी रही। कभी कम वोल्टेज से घरेलू उपकरण ठीक से नहीं चले तो कभी हाई वोल्टेज के कारण कई घरों की एलईडी खराब हो गईं। जांच में फ्यूज ढीला मिलने पर उसे ठीक किया गया, जिसके बाद वोल्टेज सामान्य हो गया।सीतापुरी क्षेत्र में एबीसी वायर में आग लगने से भी कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। अधीक्षण अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि दौलतबाग क्षेत्र में क्षतिग्रस्त जंपर बदल दिया गया है और सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई है।

भड़काऊ भाषण प्रकरण: सपा नेता आजम खां की बरी को चुनौती, 18 जुलाई को फैसला सुना सकती है कोर्ट

सपा नेता आजम खां को भड़काऊ भाषण मामले में बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर सेशन कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। अब इस मामले में 18 जुलाई को फैसला आने की संभावना है। सपा नेता आजम खां को भड़काऊ भाषण के कोर्ट में दायर अपील पर सुनवाई पूरी हो गई संभावना है। बहस के दौरान अपीलकर्ता फैसल प्रवक्ता फैसल खां लाला ने शहर कोतवाली में दर्ज कराई थी। आरोप था कि 29 मार्च 2019 प्रसारित हुआ था।इस मामले में चुनाव आचार धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच न्यायालय में दाखिल किया था। मामले की हुई थी।18 दिसंबर 2025 को न्यायालय ने फैसले के खिलाफ फैसल खां लाला ने एमपी- थी। मंगलवार को इस अपील पर बहस पूरी को फैसला सुनाए जाने की संभावना है। आजम खां के आरपीएस स्कूल की फर्जी तरीके

एक मामले में बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ सेशन है। अब इस मामले में 18 जुलाई को फैसला सुनाए जाने की खां लाला भी कोर्ट में मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश दो अप्रैल 2019 को सपा नेता आजम खां के खिलाफ रिपोर्ट को सपा कार्यालय में दिए गए उनके भाषण का वीडियो संहिता उल्लंघन, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम सहित अन्य पूरी होने के बाद पुलिस ने आजम खां के खिलाफ आरोपपत्र सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में साक्ष्य के अभाव में आजम खां को बरी कर दिया था। इस एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में अपील दायर की हो गई। फैसल खां लाला ने बताया कि मामले में 18 जुलाई आरपीएस मामले में 21 जुलाई को होगी सुनवाई- सपा नेता से मान्यता लेने के मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। सपा नेता आजम खां समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ रामपुर पब्लिक स्कूल की फर्जी तरीके से मान्यता लेने का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मंगलवार को सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन नहीं हो सकी। अब मामले की सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

बिलारी में चारागाह की भूमि पर काट दिए थे पट्टे, अब किए जाएंगे निरस्त, संभल प्रकरण के बाद हड़कंप

मुरादाबाद के बिलारी तहसील स्थित जटपुरा गांव में वर्ष 1997 में चरागाह की भूमि पर किए गए 20 पट्टे निरस्त किए जाएंगे। राजस्व परिषद के निर्देश पर हुई जांच में अनियमितता सामने आने के बाद तहसील प्रशासन ने सभी आवंटियों के नाम राजस्व अभिलेखों से हटाने की संस्तुति कर दी है।बिलारी तहसील के जटपुरा गांव में जून 1997 में चरागाह की भूमि पर किए गए बीस पट्टे निरस्त किए जाएंगे। चरागाह की भूमि पर बीस लोगों के नाम पट्टे कर हुई जांच में खुलासा होने पर चरागाह की भूमि से संबंधित संस्तुति की गई है। पिछले महीने आयुक्त एवं सचिव कांफ्रेंसिंग में चरागाह भूमि से संबंधित जानकारी मांगी में 11 जून 1997 को चरागाह की भूमि गाटा संख्या 469 किए जाने का मामला सामने आया।यह स्वीकृति जून की गई। चरागाह भूमि आवंटन संबंधी पुरानी पत्रावली सिंह, निक्कू सिंह, विजेंद्र सिंह, वेदप्रकाश सिंह, सतीश मुकेश कुमार, इंद्रपाल सिंह, सुमित्रा देवी, मूंगा देवी, माया आदि के नाम चरागाह भूमि का पट्टा कर दिया मिलने के बाद तहसील अधिकारियों ने सभी बीस पट्टा किए जाने की संस्तुति कर दी। 14 मई को भी सभी

दिए गए थे। राजस्व परिषद के सचिव के निर्देश पर आवंटी खाता धारकों के नाम निरस्त किए जाने को राजस्व परिषद लखनऊ की अध्यक्षता में हुई वीडियो गई थी। इस दौरान बिलारी तहसील के जटपुरा गांव मिन जुमला के बीस ग्रामीणों के नाम भूमि आवंटन 1997 में बिलारी में तैनात तत्कालीन एसडीएम द्वारा की जांच करने पर पता चला कि सोहन सिंह, उदयपाल कुमार, अजीत सिंह, राजीव सिंह, जंगबहादुर सिंह, भगवान देई, अनीता, उषा, सुमन तारा, सोमवती, गया।क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की जांच लेने वाले खाताधारकों के नाम चरागाह भूमि से निरस्त तहसीलों को भेजा था आदेश- राजस्व परिषद के निर्देशों के पालन में एडीएम प्रशासन संगीता गौतम ने 14 मई को जिले के सभी एसडीएम को इस संबंध में आदेश भेजा था। आदेश में कहा गया था कि विकसित पोर्टल चरागाह की भूमि पर अवैध कब्जे की सूचना की यथास्थिति और भूलेख पोर्टल में श्रेणी पांच 3, अकृषक व जलमग्न भूमि से संबंधित अद्यतन सूचना भेजी जाए। इस आदेश में चरागाह की भूमि को कब्जा मुक्त करने की बात भी कही गई थी। बंदोबस्त रिकॉर्ड से हो रहा वर्तमान खतौनियों का मिलान- तहसीलदार आदित्य कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश के पालन में बंदोबस्त रिकॉर्ड से वर्तमान खतौनियों का मिलान हो रहा है। तहसीलदार के अनुसार राजस्व संहिता की धारा 77 और जमींदारी विनाश अधिनियम की धारा 132 के तहत जो भी आरक्षित भूमि है उसकी जांच कराई जा रही है। यदि निर्धारित श्रेणी वाली भूमि का कहीं भी पट्टों के जरिए आवंटन करने का मामला सामने आएगा, तब ऐसे पट्टा धारकों और अवैध कब्जादारों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीलपुर में स्कूल की सरकारी भूमि पर कब्जेदारों को नोटिस- सीलपुर गांव में स्कूल के नाम की सरकारी भूमि पर कब्जे का मामला सामने आने पर तहसीलदार न्यायिक की अदालत से अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी कर दिया गया है। सीलपुर हल्के पर तैनात राजस्व लेखपाल खुशबू ने तहसीलदार की अदालत में रिपोर्ट भेजकर बताया कि गाटा संख्या 95 सरकारी भूमि है जो राजस्व अभिलेखों में स्कूल के नाम पर दर्ज है। इस भूमि पर जमील, साजिद, नबावजान, जुल्फेकार और गौहर आदि ने बुनियाद भरकर दीवार बनाकर और मकान बनाकर अवैध कब्जा कर लिया है। तहसीलदार न्यायालय से जानकारी करने पर पता चला कि लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर सभी अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं।यह जांच रिपोर्ट उनकी बिलारी में तैनाती से पहले ही भेज दी गई है। जैसे ही इस रिपोर्ट के आधार पर जिला मुख्यालय से कोई आदेश आएगा, तब उसका पूर्ण रूप से पालन कराया जाएगा। - प्रिंस वर्मा, एसडीएम, बिलारी

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं के लिए 10 बड़े सरकारी फायदे: LPG से लेकर बिजनेस लोन और मुफ्त कानूनी मदद तक

केंद्र और राज्य सरकारें महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। हालांकि, जानकारी के अभाव में अनेक पात्र महिलाएं इनका लाभ नहीं ले पातीं। यहां जानिए महिलाओं से जुड़ी 10 प्रमुख सरकारी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में, जिनका लाभ संबंधित पात्रता और नियमों के अनुसार लिया जा सकता है। 1. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना- इस योजना का उद्देश्य गरीब और पात्र परिवारों की महिलाओं को धुएं वाले पारंपरिक चूल्हों से राहत दिलाना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाता है। सरकार समय-समय पर निर्धारित नीति के अनुसार एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी भी प्रदान कर सकती है।2. सुकन्या समृद्धि योजना- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह एक लोकप्रिय बचत योजना है। माता-पिता या अभिभावक बेटी के नाम से खाता खुलवा सकते हैं। इसमें सरकार द्वारा तय ब्याज दर के अनुसार बचत बढ़ती है और भविष्य में उच्च शिक्षा या विवाह के लिए आर्थिक सहायता मिल सकती है।3. स्वयं सहायता समूह (SHG) स्वयं सहायता समूह महिलाओं को बचत, बैंकिंग और स्वरोजगार से जोड़ने का माध्यम है। इसके जरिए महिलाएं कम ब्याज पर ऋण लेने के साथ सिलाई, डेयरी, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य छोटे व्यवसायों का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती हैं।4. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जो महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं या मौजूदा कारोबार का विस्तार करना चाहती हैं, वे पात्रता के अनुसार मुद्रा योजना के तहत बैंक से ऋण के लिए आवेदन कर सकती हैं। ऋण स्वीकृति बैंक की प्रक्रिया और पात्रता पर निर्भर करती है।5. मातृत्व लाभ (Maternity Benefit) संगठित क्षेत्र में कार्यरत पात्र महिलाओं को मातृत्व लाभ कानून के तहत प्रसूति अवकाश और अन्य सुविधाएं मिल सकती हैं। इसका उद्देश्य मां और नवजात शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।6. कार्यस्थल पर सुरक्षा (POSH Act) कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देने के लिए POSH कानून लागू है। इसके तहत संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति (ICC) गठित की जाती है, जहां महिला शिकायत दर्ज करा सकती है।7. जनधन खाता और DBT- यदि कोई महिला किसी सरकारी योजना की पात्र लाभार्थी है, तो डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से सहायता राशि सीधे उसके बैंक खाते में भेजी जा सकती है। इसके लिए बैंक खाता और आवश्यक दस्तावेज अद्यतन होना जरूरी है।8. कौशल विकास कार्यक्रम- सरकार विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सिलाई, कंप्यूटर, डिजिटल मार्केटिंग, ब्यूटी एंड वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, हस्तशिल्प और अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है, जिससे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ते हैं।9. राज्य सरकारों की महिला कल्याण योजनाएं- विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए अलग-अलग योजनाएं संचालित की जाती हैं। इनमें आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इनके नियम और पात्रता राज्यवार अलग होते हैं।10. मुफ्त कानूनी सहायता- Legal Services Authorities Act के तहत पात्र महिलाओं को मुफ्त कानूनी सहायता मिल सकती है। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, भरण-पोषण, संपत्ति विवाद या अन्य मामलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) से सहायता ली जा सकती है। भ्रामक दावों से रहें सावधान- सोशल मीडिया पर महिलाओं के खातों में पैसे भेजने या नई सरकारी योजनाओं के नाम पर कई भ्रामक दावे वायरल होते रहते हैं। किसी भी योजना का लाभ लेने से पहले उसकी जानकारी केवल सरकारी वेबसाइट, संबंधित विभाग, जन सेवा केंद्र या अधिकृत पोर्टल से ही सत्यापित करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते या आधार से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा न करें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एन0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कांवड़ यात्रा और उर्स को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसएसपी ने दिए सख्त निर्देश, 12 फीट से ऊंचा डीजे नहीं, नए रूट या नई परंपरा पर रोक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने कांवड़ यात्रा एवं आगामी उर्स-ए-आला हजरत को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में कांवड़ मार्गों की सड़क, सफाई, जलभराव, लटकते बिजली के तार, ट्रांसफार्मर और सुरक्षा व्यवस्थाओं को यात्रा शुरू होने से पहले दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा में कोई नई परंपरा लागू नहीं होगी और सभी विभाग आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। वहीं एसएसपी ने कहा कि डीजे व झांकी की कुल ऊंचाई वाहन सहित 12 फीट से अधिक नहीं होगी, परंपरागत रूट से हटकर कोई आयोजन नहीं होगा और डीजे पर आपत्तिजनक गीत बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एसएसपी ने अफवाहों से बचने, सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश न फैलाने, प्रत्येक जत्थे की पुलिस को पूर्व सूचना देने, शिविरों में सीसीटीवी, फायर सेफ्टी, महिला शौचालय तथा स्वयंसेवकों के आई-कार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने या स्टंटबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीबीगंज, सिरौली, विशारतगंज और महिला थाना में नए प्रभारी किए तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / एसएसपी ने किया प्रशासनिक फेरबदल, चार थानों की बदली कमान बरेली। जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चार निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों के तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर दिए। आदेश के तहत निरीक्षक प्रदीप कुमार चतुर्वेदी को सीबीगंज से विशारतगंज भेजा , निरीक्षक छवि सिंह को महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन से महिला थाना प्रभारी बनाया गया है , उपनिरीक्षक विनोद सिंह को सिरौली से सीबीगंज का चार्ज मिला, तथा उपनिरीक्षक रोहित कुमार को बिहारीपुर चौकी (कोतवाली) से सिरौली थाना प्रभारी बनाया गया है। इन तबादलों को पुलिस व्यवस्था में कसावट और बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आदिवासी परिवारों को दिलाया गया भूमि का कब्जा, अवैध अतिक्रमण हटाया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर राजस्व विभाग ने कार्रवाई करते हुए जनजातीय वर्ग के तीन परिवारों की भूमि से अवैध कब्जा हटाकर उन्हें वैधानिक कब्जा दिलाया। साथ ही कब्जाधारी पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम हातोद निवासी कला पत्नी जनवेद आदिवासी, शीला पत्नी अतर सिंह तथा सुनील पुत्र अतर सिंह आदिवासी ने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 250 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की थी कि ग्राम हरनगर स्थित उनकी भूमि के सर्वे क्रमांक 330/2, 471, 476 एवं 559, कुल रकबा 2.5200 हेक्टेयर पर सिमरपाल सिंह एवं प्रतिपाल सिंह द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। शिकायतकर्ता इस संबंध में जनसुनवाई में भी पहुंचे थे। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार ने प्रकरण की जांच कराई। राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन एवं मौका निरीक्षण के बाद अवैध कब्जाधारी को नोटिस जारी किया गया। सुनवाई के दौरान संबंधित व्यक्ति ने भूमि पर कब्जा होना स्वीकार किया, जिसके बाद बेदखली आदेश जारी किया गया। बुधवार को राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर भूमि से अवैध कब्जा हटवाया और संबंधित आदिवासी परिवारों को उनकी भूमि का वैधानिक कब्जा सौंप दिया। कार्रवाई के दौरान सिमरपाल पुत्र सिंघारा सिंह सिख, निवासी ग्राम हरनगर पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में शासकीय एवं निजी भूमि पर अवैध कब्जों और अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

डिलारी पुलिस का आधुनिक अंदाज: एंटी-रायट अंजलि सूट पहनकर प्रभारी निरीक्षक ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से डिलारी पुलिस ने आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने एंटी-रायट अंजलि सूट पहनकर पुलिस बल के साथ बाजार, मुख्य चौराहों और संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने आम नागरिकों और व्यापारियों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी फीडबैक लिया तथा लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने में सहयोग की अपील की। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि पुलिस हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के उपयोग से पुलिसकर्मियों की सुरक्षा के साथ-साथ कार्रवाई की क्षमता भी बढ़ती है। एंटी-रायट अंजलि सूट विशेष रूप से दंगा-नियंत्रण और हिंसक परिस्थितियों में पुलिसकर्मियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इस तरह के उपकरणों का उपयोग पुलिस की आधुनिक कार्यप्रणाली और तकनीकी रूप से सशक्त होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस की इस पहल को क्षेत्रीय लोगों ने सकारात्मक बताया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित पैदल गश्त और आधुनिक संसाधनों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

शिक्षकों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा, मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वाराणसी से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया, जिसका सीधा प्रसारण बरेली के विकास भवन सभागार में देखा गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के बाद योजना के तहत पात्र शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए चेक वितरित किए गए। वहीं डीबीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए प्रति विद्यार्थी ?1200 की सहायता राशि प्रदान की गई। नव नामांकित बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें एवं स्टेशनरी भी वितरित की गई। इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू के बाद बैंक अधिकारियों ने विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, जिलाधिकारी अविनाश सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटे से गांव रामगढ़ की बेटी मनीषा धाकड़ SI परीक्षा में चयनित, क्षेत्र में खुशी की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा लटेरी। तहसील की टोकरा पंचायत के छोटे से गांव रामगढ़ की बेटी मनीषा धाकड़ का सब-इंस्पेक्टर (SI) परीक्षा में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बीच पली-बढ़ी मनीषा ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर यह सफलता हासिल की है। मनीषा के पिता भगवत सिंह धाकड़ लटेरी शिक्षक विभाग में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। परिवार ने हमेशा उन्हें शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका परिणाम आज पूरे क्षेत्र के सामने है। मनीषा का जन्म ग्राम पंचायत टोंकरा के गांव रामगढ़ में हुआ, जहां उस समय प्राथमिक विद्यालय की सुविधा भी उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा माध्यमिक शाला टोकरा से प्राप्त की। इसके बाद कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई शासकीय मॉडल स्कूल, लटेरी से पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए मनीषा भोपाल गईं, जहां उन्होंने नूतन कॉलेज, भोपाल में अध्ययन किया। कॉलेज की पढ़ाई के साथ ही उन्होंने वहीं रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। लगातार परिश्रम और समर्पण का परिणाम रहा कि उनका चयन स्ब परीक्षा में हो गया। मनीषा की इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों, शिक्षकों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। ग्रामीणों का कहना है कि मनीषा की सफलता क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है तथा यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

भैया होटल पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, अतिक्रमण हटाया; अवैध शराब, जेसीबी-डंपर और घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बुधवार को ग्राम ककरवाया स्थित भैया होटल पर छापामार कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान अवैध मदिरा का भंडारण, अवैध उत्खनन में प्रयुक्त मशीनरी तथा व्यावसायिक उपयोग में लिए जा रहे घरेलू एलपीजी सिलेंडर मिलने पर होटल को तत्काल सील कर दिया गया। राजस्व, आबकारी, खनिज, पुलिस और खाद्य विभाग के संयुक्त दल ने होटल परिसर की जांच की। होटल का संचालन दारासिंह पुत्र बारेलाल परिहार द्वारा किया जा रहा था। जांच में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर प्रशासन ने मौके पर ही अतिक्रमण हटवा दिया तथा संबंधित पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया। कार्रवाई के दौरान होटल में अवैध रूप से रखी गई बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां जब्त की गईं। वहीं अवैध उत्खनन में उपयोग की जा रही एक जेसीबी, डंपर और ट्रॉली भी जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दी गई। खाद्य विभाग की जांच में होटल में व्यावसायिक उपयोग के लिए छह घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपयोग किए जाना पाया गया। इसके बाद विभाग ने सिलेंडरों को जब्त कर होटल के किचन एवं भोजन कक्ष को सील कर दिया। जिला प्रशासन ने होटल में पाई गई विभिन्न अनियमितताओं और अवैध गतिविधियों को गंभीर मानते हुए पूरे प्रतिष्ठान को सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, अवैध खनन, अवैध मदिरा भंडारण तथा अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों के विरुद्ध जिले में आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आगरा में बारिश के बीच बड़ा हादसा: सुभाष बाजार में गिरी दुकान, पांच लोग मलबे में दबे; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

आगरा में जारी बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। सुभाष बाजार में एक दुकान भरभराकर जमींदोज हो गई। मलबे में पांच लोगों के दबे होने की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है।आगरा में बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। थाना मंटोला क्षेत्र के सुभाष बाजार में बुधवार को एक एक दुकान अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे के समय दुकान पर मौजूद पांच लोग मलबे में दब गए। इनमें से चार लोगों को दुकानदारों ने मलबा हटाकर बाहर निकाल लिया। एक महिला की तलाश अब भी जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी मलबा हटाने में प्रशासन की मदद में जुट गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सौतेले बेटे पर हैवानियत का वायरल वीडियो, राज्य महिला आयोग सख्त–आरोपी पर कार्रवाई के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सोशल मीडिया पर सौतेले बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट का वायरल वीडियो सामने आने के बाद राज्य महिला आयोग ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय ने थाना प्रेमनगर प्रभारी से फोन पर बात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और आरोपी के विरुद्ध तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन विभाग को भी बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुष्पा पाण्डेय ने स्पष्ट कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा, प्रताड़ना या उत्पीड़न किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर पीड़ित बच्चे को हरसंभव संरक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

6 हजार की रिश्वत लेते एंटी पावर थेफ्ट थाने के दरोगा को रंगे हाथ किया गिरफ्तार, बिजली चोरी के मुकदमे में राहत दिलाने के नाम पर मांगी थी रिश्वत

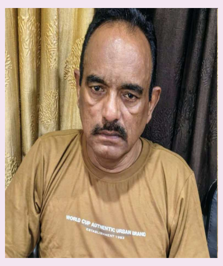

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली । भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की ट्रैप टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बदायूं में तैनात एंटी पावर थेफ्ट थाने के उपनिरीक्षक कृष्णपाल सिंह को 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता हेमराज ने आरोप लगाया था कि बिजली चोरी के मुकदमे में जेल न भेजने और प्रकरण के निस्तारण के नाम पर दरोगा ने 6 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की पुष्टि होने पर ट्रैप टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई कर आरोपी को रिश्वत लेते समय दबोच लिया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में थाना सिविल लाइंस, बदायूं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध कारोबार करने वालों पर एसएसपी ने कसा शिकंजा, तीन माफिया गिरोह बेनकाब

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरेली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोकशी, मादक पदार्थ तस्करी और लूटपाट में शामिल तीन संगठित अपराधी गिरोहों को जनपद स्तरीय माफिया घोषित किया है। फरीदपुर थाना क्षेत्र में गोकशी गिरोह के सरगना फातून पुत्र दौलत खां व उसके साथियों को माफिया संख्या म-18/2026, जबकि मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त मो. शेर खान को माफिया संख्या म-19/2026 के तहत चिन्हित किया गया है। वहीं शाही थाना क्षेत्र में लूटपाट की घटनाओं में शामिल नन्हू उर्फ नन्हे उर्फ लालताप्रसाद के गिरोह को माफिया संख्या म-20/2026 के अंतर्गत जनपदीय अपराध माफिया घोषित किया गया है। .पुलिस ने संबंधित गिरोहों की अवैध संपत्तियों, आर्थिक नेटवर्क और आय के स्रोतों की जांच शुरू कर दी है।

कैनविज पीड़ितों की गुहार पर हरकत में आया प्रशासन, महापौर के फोन के बाद एसपी सिटी ने दिया कार्रवाई का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। कैनविज पीड़ितों का अनशन आठवें दिन भी जारी रहा। कैनविज पीड़ित संघर्ष समिति की नेता सपना सिंह के नेतृत्व में पीड़ितों ने महापौर डॉ. उमेश गौतम से मुलाकात कर धन वापसी और दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। महापौर ने तत्काल मानुष पारीक और एसआईटी अध्यक्ष अकमल खान से फोन पर बात कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पीड़ित एसपी सिटी से मिले, जहां उनकी समस्याएं सुनने के बाद हरसंभव धन वापसी और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इस दौरान विनोद पटेल, सुरेंद्र, धर्मेंद्र, रामलली, लता पटेल, सुनीता, सूरज पटेल, केपी सिंह सहित अन्य पीड़ित मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, जालौन में लाइव प्रसारण के साथ शिक्षकों को वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ प्रदेश के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर आज वाराणसी से आयोजित मा0 मुख्यमंत्री जी का कार्यक्रम जनपद के विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री एवं उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के उपाध्यक्ष नटवर गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। वाराणसी से मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा उपहार दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 1.10 करोड़ विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रति विद्यार्थी 1,200 रुपये की धनराशि यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी क्रय करने के लिए हस्तांतरित की। कार्यक्रम में 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू का निष्पादन भी किया गया तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना सहित शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मथुरा में बारिश बनी आफत- बैरिकेडिंग कर बंद किए अंडरपास, पानी में डूबे वाहन, जलभराव से जूझते रहे लोग

जलभराव और धीमी रफ्तार से चलते वाहनों के कारण कई इलाकों में यातायात रेंगता नजर आया। भूतेश्वर अंडरपास और नए बस स्टैंड रेलवे पुल के नीचे जलभराव होने से यातायात रोकना पड़ा। इसके चलते वाहनों का दबाव वैकल्पिक मार्गों पर बढ़ गया। मथुरा में मंगलवार दोपहर दो बजे से हुई तेज बरसात में शहर के नाले-नालियां उफान मारने लगे और जगह-जगह भीषण जलभराव हो गया। कई स्थानों पर पानी भर जाने के कारण आवागमन बाधित हो गया। नए बस स्टैंड पर निर्माण कार्य ने राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ा दी। अंडरपास के नीचे कई फीट पानी भर गया, गुजरते समय कई वाहन डूब गए। अंडरपास पर जेसीबी से बैरिकेडिंग करके आवागमन बंद किया गया। दो बजे के बाद दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही। तेज धूप और उमस भरी गर्मी के साथ लोगों की सुबह हुई। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया उमस और बढ़ती गई। करीब दो बजे अचानक मौसम ने करवट बदली और बादलों की आवाजाही शुरू हो गई। थोड़ी देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। आधे घंटे की वर्षा में शहर के भूतेश्वर अंडरपास पर कई फीट पानी भर गया। नगर निगम ने जेसीबी से बैरिकेडिंग कराकर आवागमन बंद कराया गया। इसी तरह नया बस स्टैंड रेलवे पुल के नीचे भी पानी भर जाने के कारण आवागमन बंद किया गया और पंप सेट लगाकर जलनिकासी का कार्य शुरू हुआ। नए बस स्टैंड रेलवे पुल पर नई रेल लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। नए बस स्टैंड पर निर्माण कार्य ने राहगीरों की और मुसीबत बढ़ा दी। आवागमन बंद होने से राहगीरों को इधर-उधर से निकलना पड़ा। बारिश से श्रीजी बाबा आश्रम, कृष्णा नगर, शंकर विहार, राधिका विहार, महोली रोड, छत्ता बाजार, चंदनवन समेत कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। हालांकि बारिश बंद होने के कई घंटे बाद यातायात व्यवस्था पटरी पर लौटी और आवागमन सुचारू किया।बारिश के बाद शहर की सड़कों पर लगा जाम- इधर, बारिश के बाद शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। शहर के अंदर मार्गों और चौराहों पर जाम लग गया, जिससे राहगीरों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव और धीमी रफ्तार से चलते वाहनों के कारण कई इलाकों में यातायात रेंगता नजर आया। चौराहा, छत्ता बाजार और आसपास के मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने प्रमुख चौराहों पर मोर्चा संभालकर वाहनों को व्यवस्थित ढंग से निकालने का प्रयास किया

जनप्रतिनिधियों व डीएम ने रैली व जागरुकता वाहन को दिखाई हरी झण्डी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ बदायूँ- जनपद में शैक्षिक सत्र 2026-27 अन्तर्गत स्कूल चलो अभियान का द्वितीय चरण कार्यक्रम 01 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक चलाया जा रहा है। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव व एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदू पाठक व जिलाधिकारी अवनीश राय ने बुधवार कलेक्ट्रेट से स्कूल चलो अभियान रैली व जागरुकता वाहन हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक बालक एवं बालिका को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि सशक्त समाज एवं विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी जीवन में शिक्षा की महत्वता तथा व्यक्ति के सर्वागीर्ण विकास के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य को जीवन का मुख्य आधार बताया। जिलाााधिकारी ने स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जनपदवासियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों व स्वयंसेवी संस्थाओं एवं समाज के सभी वर्गों से अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने का आह्वान किया। कहा कि अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाकर प्रत्येक बच्चे के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्कूल चलो अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ संचालित कर रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों का समय से विद्यालय में नामांकन कराने तथा नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। अन्त में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

12 लाख शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना, 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को डीबीटी से 1200 रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /जनपद बदायूँ में मुख्यमंत्री श्री योगी आज आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 12 लाख शिक्षक एवं उनके परिवारों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से आच्छादित किया गया तथा 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से यूनिफार्म, जूता, मोज़ा, स्वेटर, बैग व स्टेशनरी हेतु प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपए का वितरण किया गया। 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा हेतु स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ एमओयू तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने देखा सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर ऐतिहासिक कार्य कर रही है। सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं का विकास, स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना, नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग तथा मध्यान्ह भोजन जैसी योजनाओं से लाखों बच्चों का भविष्य संवर रहा है।

उन्होंने कहा कि मिशन कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों का स्वरूप पूरी तरह बदल रहा है, जिससे बच्चों को बेहतर एवं प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक दिन विश्वगुरु बनेगा। लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छा सोचो अच्छा होगा आज नहीं तो कल होगा जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक बालक और बालिका गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदू पाठक ने कहा कि शिक्षित समाज ही समृद्ध प्रदेश और विकसित भारत की आधारशिला है। बच्चे, प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त एवं समृद्ध समाज की आधारशिला है। हम सभी का दायित्व है कि कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे। प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम विरासनी में जीने की स्लोप गिरने से तीन लोग घायल, उप जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद के ग्राम विरासनी में एक मकान की जीने (सीढ़ी) की स्लोप अचानक गिर जाने से तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी हेमन्त पटेल तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए परिजनों से मुलाकात कर हर संभव प्रशासनिक सहायता का भरोसा दिलाया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में प्रिया पुत्री अनिल कुमार (उम्र 6 वर्ष) के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई से बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर किया गया है। वहीं जिया पत्नी अनिल कुमार (उम्र 28 वर्ष) तथा सरस्वती पत्नी शिवम कुमार (उम्र 30 वर्ष) को सामान्य चोटें आई हैं। दोनों घायलों का उपचार राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई में चल रहा है और उनकी स्थिति सामान्य एवं स्थिर है। मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि शासन के प्रावधानों के अनुसार दैवीय आपदा मद से जो भी अनुमन्य आर्थिक सहायता देय होगी, उसे प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन द्वारा घटना पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

सुभाषनगर पुलिस ने डोडा छिलका तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 किलो 505 ग्राम डोडा छिलका के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी अंशु उर्फ अनिकेत निवासी गणेशनगर को मुखबिर की सूचना पर शमशान भूमि रोड से दबोचा गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह डोडा छिलका उत्तराखंड में सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है।

महिलाओं-युवतियों के फोटो खींच AI से करता था मॉर्फिंग, फोन और ड्राइव में गंदे वीडियो-फोटो; गूगल ने पकड़वाया

यूपी के एटा में गूगल की सूचना से बच्ची का यौन शोषण करने वाला कारोबारी पकड़ा गया है। अश्लील फोटो और वीडियो के साथ पकड़ा गया घुंघरू कारोबारी गंदी सामग्री देखने का बेहद आदी है। राह चलती या कार्यक्रमों में शामिल होने वाली महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के फोटो खींचकर उनकी एआई से मॉर्फिंग करता था। कुछ महीने पहले गंदे वीडियो को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मुदित गुप्ता ने बच्ची के शोषण के कई वीडियो गूगल ड्राइव में सेव वीडियो मिले हैं। जांच में पता चला है कि आरोपी विभिन्न संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों के लिए है कि आरोपी किसी अन्य व्यक्ति या संगठित नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा है।अपर पुलिस अधीक्षक वीडियो का संज्ञान लेकर गूगल ने अमेरिकी संस्था एनसीएमईसी (राष्ट्रीय लापता एवं शोषित बाल केंद्र) रिपोर्टिंग पोर्टल) के माध्यम से बाल यौन शोषण सामग्री से संबंधित नौ साइबर टिपलाइन एटा पुलिस मिली। जांच के दौरान शुरू में 21 फोटो और वीडियो मिले, जिन्हें बाल यौन शोषण सामग्री से संबंधित जलेसर के मोहल्ला बाजार कलां निवासी 42 वर्षीय मुदित गुप्ता के रूप में की। छानबीन के बाद पुलिस ने समय पहनी गईं दो टी-शर्ट भी बरामद हुई हैं। अविवाहित है आरोपी मुदित- सीओ साइबर क्राइम

दिखाकर पांच वर्षीय बच्ची का यौन शोषण करने वाले जलेसर के एक घुंघरू कारोबारी को पुलिस ने गूगल की शिकायत पर सोमवार (सुरक्षित) कर रखे थे। आरोपी के दो मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किए हैं, जिनमें 1000 से अधिक आपत्तिजनक फोटो और वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) और 11 अलग-अलग ई-मेल आईडी का इस्तेमाल करता था। पुलिस अब यह पता लगा रही (अपराध) योगेंद्र सिंह ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी के गूगल ड्राइव में सेव किए गए बच्ची के को रिपोर्ट भेजी थी। वहां से यह जानकारी भारत के गृह मंत्रालय को साझा की गई। इसके बाद एनसीआरपी (राष्ट्रीय साइबर अपराध को प्राप्त हुईं। थाना साइबर क्राइम प्रभारी शंभूनाथ के नेतृत्व में तकनीकी जांच की गई। इसमें आरोपी की लोकेशन जलेसर क्षेत्र में पाया गया। आईएमईआई नंबर, लॉग-इन, ई-मेल आईडी और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान आरोपी को सोमवार को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयोग किए गए दो मोबाइल फोन और घटना के नितीश गर्ग ने बताया कि आरोपी मुदित गुप्ता घुंघरू-घंटी का बड़ा कारोबारी है। उसके यहां से देश के साथ-साथ विदेश में भी पीतल के उत्पादों का निर्यात होता है। तीन भाइयों में दूसरे नंबर का है और अविवाहित है। पूछताछ में बताया कि वह इस प्रकार का कृत्य करने का आदी हो चुका है। वह फोटो-वीडियो देखकर खुद की शारीरिक जरूरतें पूरी करता है। उसका उद्देश्य वीडियो या फोटो के माध्यम से पैसे कमाना नहीं है। वीपीएन के जरिए डाउनलोड करता था आपत्तिजनक फोटो-वीडियो एएसपी क्राइम ने बताया विवेचना में ऐसे डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं, जिनसे 12 वर्ष से कम आयु की बालिका के साथ लैंगिक हमले के गंभीर तथ्य सामने आए हैं। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी मुदित गुप्ता वीपीएन का उपयोग कर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स से अश्लील वीडियो और गंदे फोटो डाउनलोड करता था। इसके बाद उन्हें एडिट कर अपने मोबाइल में सुरक्षित रखता था। महिलाओं-युवतियों के फोटो खींचकर एआई से करता था मॉर्फिंग- अश्लील फोटो और वीडियो के साथ पकड़ा गया घुंघरू कारोबारी मुदित गुप्ता गंदी सामग्री देखने का बेहद आदी है। राह चलती या कार्यक्रमों में शामिल होने वाली महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के फोटो खींचकर उनकी एआई से मॉर्फिंग करता था। उनके आपत्तिजनक फोटो बनाकर मोबाइल में सुरक्षित रख लेता था। ऐसे एक हजार से अधिक फोटो और वीडियो उसके मोबाइल में मिले हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। आरोपी ने नौ महीने पहले पांच साल की बच्ची को अश्लील वीडियो दिखाकर गलत काम किया। इसके छह वीडियो उसने बनाए। यह गूगल ड्राइव में सुरक्षित कर लिए थे। उसने सोचा भी नहीं था कि गूगल इसे पकड़ लेगा। गूगल की शिकायत के बाद अमेरिकी संस्था एनसीएमईसी (नेशनल सेंटर फोर मिसिंग एंड एक्सप्लोइटेड चिल्ड्रन) ने इसका सोर्स देखा। यह मोबाइल भारत में इस्तेमाल हो रहा था। संस्था ने भारतीय गृह मंत्रालय को टिपलाइन भेजी। चार दिन पहले स्थानीय पुलिस को यह टिपलाइन मिली। पुलिस को आरोपी का पता लगाने में देर नहीं लगी। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जो फोटो मिले हैं, उनमें रिश्तेदारी की युवती के भी फोटो हैं। बच्ची के परिजन से संपर्क करेगी पुलिस- पुलिस वीडियो के आधार पर बच्ची की पहचान कर रही है। उसके परिजन से भी पुलिस मिलेगी। उनकी तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज कराने की तैयारी है। खुद को कमरे में बंद कर लेता था आरोपी-एसएसपी के अनुसार आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि वह अश्लील वीडियो देखने का बेहद आदी थी। रात 10 बजे के बाद वह कमरे में चला जाता था और इसे भीतर से लॉक कर लेता था। देर रात तक अश्लील फोटो की मॉर्फिंग करता रहता था।आरोपी ने बच्ची का वीडियो गूगल ड्राइव में सेव किया था। उसके मोबाइल से एक हजार से अधिक वीडियो-फोटो भी मिले हैं। यह सभी राह चलती महिलाओं के हैं, जिनको मॉर्फ किया गया है। चार दिन पहले टिपलाइन में मामला आया। इस पर आरोपी के खिलाफ पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज की गई। इस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।- डॉ. इलामारन जि., एसएसपी, एटा

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
09 July 2026

सपा के राष्ट्रीय सचिव के मकान पर नोटिस चस्पा, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का लगाया था होर्डिंग

सीतापुर शहर के शिवपुरी कॉलोनी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के घर सहित करीब 27 मकानों पर जिलाधिकारी न्यायालय की ओर से नोटिस चस्पा कर जवाब मांगा गया है। सीतापुर शहर के समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय गुप्ता के मकान सहित आसपास बुधवार दोपहर तहसील प्रशासन जारी नोटिस चस्पा कर दिया संबंधित भूमि के स्वामित्व को विचाराधीन है, इसलिए कब्जा करने का अवसर दिया गया है। संबंधित लगभग 25 बीघा भूमि छावनी गोरा बारीक के नाम दर्ज करीब 27 मकान बने हुए हैं। आदेश पर तहसील प्रशासन ने नोटिस चस्पा कर दिया है।

शिवपुरी कॉलोनी स्थित सचिव व पूर्व विधायक अनूप के करीब 27 भवनों पर ने जिलाधिकारी न्यायालय से है। प्रशासन के अनुसार लेकर न्यायालय में मामला धारकों को अपना पक्ष प्रस्तुत नोटिस में लिखा है कि राजस्व अभिलेखों में ग्राम है। इसी भूमि पर वर्तमान में जिलाधिकारी न्यायालय के सभी प्रभावित भवनों पर नोटिस के अनुसार सभी भवन स्वामियों को 24 जुलाई तक जिलाधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष और संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे।एसडीएम सदर डॉ. जनार्दन ने बताया कि जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश के बाद नियमानुसार प्रभावित क्षेत्र में नोटिस चस्पा किया है। सभी कब्जाधारकों को निर्धारित तिथि तक अपना पक्ष न्यायालय में प्रस्तुत करना होगा, जिसके बाद मामले में अग्रिम कार्रवाई न्यायालय के निर्देशानुसार की जाएगी।यह नोटिस गलत, दूंगा जवाब- अनूप गुप्ता- सपा के राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता ने नोटिस को गलत बताया है। कहा कि वह समय से पहले ही जिलाधिकारी न्यायालय में अपना जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने वर्ष 2004 में संबंधित भूमि की विधिवत रजिस्ट्री कराई थी। इसके बाद भूमि का दाखिल-खारिज भी हुआ और करीब तीन वर्ष पहले सक्षम प्राधिकारी से भवन का नक्शा स्वीकृत होने के बाद ही निर्माण कराया गया था। उनके पास सभी वैध दस्तावेज उपलब्ध हैं और वे न्यायालय में उन्हें प्रस्तुत करेंगे।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की यात्रा के स्वागत का लगाया था होर्डिंग- सपा के राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की हो गौ रक्षार्थ यात्रा को लेकर कई होर्डिंग को लगाया था। इसकी राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा रही। इस कार्रवाई और यात्रा को एक साथ जोड़कर भी चर्चाओं का दौर जारी है।

सुल्तानपुर में सड़क हादसा, मां-बेटे की मौत, तेज रफ्तार पिकप ने बाइक को पीछे से मारी टक्कर

लखनऊ-बलिया हाइवे पर एक तेज रफ्तार पिकप ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। दोनों दवा लेने जा रहे थे। लखनऊ-बलिया हाइवे पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। घटना मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी अमर बहादुर (30 वर्ष) अपनी रहा था। दोपहर करीब 12:30 बजे पहुंचाकर लौट रही एक पिकअप मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी फिर 30 मीटर दूर एक दीवार से तो अमर बहादुर की मौके पर ही स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद चिंताजनक हालत को देखते हुए लेकिन रास्ते में ही ममता देवी ने

तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। यह शाहपुर लपटा गांव के पास हुई। पुलिस ने मामले में विधिक के अनुसार, जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के करौंदी निवासी मां ममता देवी (55 वर्ष) को मोतिगरपुर में दवा दिलाने जा जब वे शाहपुर लपटा के पास पहुंचे, तभी जौनपुर से सब्जी ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के कि बाइक पहले एक पेड़ से करीब 5 फीट ऊपर उछली और टकराकर रुक गई। तेज आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे मौत हो चुकी थी।गंभीर रूप से घायल ममता देवी को से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतिगरपुर पहुंचाया। वहां उनकी डॉक्टरों ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, भी दम तोड़ दिया।बताया जा रहा है कि अमर बहादुर चंडीगढ़ में फर्नीचर का काम करता था और तीन दिन पहले ही घर आया था। वह अपने दो भाइयों विजय और अजय में सबसे बड़ा था। उसके पिता राम तीर्थ और मां गांव में रहते थे। अमर बहादुर की पत्नी अर्चना और डेढ़ साल का एक बेटा अयांश है। मोतिगरपुर एसओ अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

40 रुपये में खरीदा चाकू, बीवी को गोद डाला, 20 मिनट तक तड़पती रही, वीडियो बनाते रहे लोग; आगरा कांड की कहानी

यूपी के आगरा में मायके में रह रही पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। युवक पत्नी के घर चलने से मना करने और पिता के सामने थप्पड़ मारने पर नाराज था। आरोपी ने पत्नी के बाल पकड़कर घसीटा और बाहर ले जाने लगा। विरोध पर चाकू से एक के बाद कई वार किए।आगरा के ताजगंज के कोल्हाई मोहल्ले में मंगलवार शाम मायके में रह रहीं कुंती देवी (40) की घर चलने से मना करने और पिता के सामने थप्पड़ मारने पर पति रणवीर उर्फ रानू ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पति से झगड़े के बाद कुंती दो बच्चों के साथ एक साल से मायके में रह रही थीं। शाम करीब चार बजे रणवीर ससुराल पहुंचा और कुंती के बाल पकड़कर घसीटते हुए घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हमले लिया।ताजगंज के कोल्हाई मोहल्ला निवासी कुंती देवी की उर्फ रानू से हुई थी। रणवीर एक कोल्ड स्टोरेज में मजदूरी नागर ने बताया कि पति-पत्नी के बीच एक साल से विवाद मायके आ गई थीं और पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह रणवीर अपने पिता बनाया। मगर वह नहीं जाना चाहती थी, इसलिए मना कर लेकर चला गया। शाम करीब चार बजे वह शराब पीकर फिर कुछ समझ पातीं उससे पहले ही उसने बाल पकड़ लिए।पड़ोस कुंती को घसीटते हुए बाहर ले जाने लगा। विरोध करने पर ताबड़तोड़ छह वार कर दिए। इससे कुंती लहूलुहान हो गईं। निकलकर भागने लगा। पड़ोसियों ने पीछाकर उसे दबोच फोर्स के साथ पहुंच गए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालत गंभीर होने पर एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। शव को आरोपी ने बताया कि पिता के सामने थप्पड़ मारने से वह बताया कि आरोपी रणवीर ने पत्नी की हत्या की तैयारी पहले

बाहर ले जाने लगा। विरोध पर चाकू से एक के बाद कई वार किए। के बाद भागते समय आरोपी को मोहल्ले के लोगों ने पकड़ शादी 21 साल पहले डौकी स्थित कुंडौल, पवावली निवासी रणवीर करता है। उसके एक बेटा और एक बेटी है। एसीपी ताज सुरक्षा यतेंद्र चल रहा था। पति के शराब पीने और पिटाई से परेशान होकर कुंती दी थी। कोर्ट में मामला विचाराधीन है।कुंती देवी की ताई माया ने राम प्रसाद के साथ घर आया था। उसने कुंती पर घर चलने का दबाव दिया। इससे नाराज होकर धमकी देते हुए एक घंटे बाद पिता को आया। घर के बाहर बाइक खड़ी की और अंदर घुस आया। कुंती की महिला भी घर में बैठी थी। उसने शोर मचाया लेकिन आरोपी आरोपी ने चाकू निकाल लिया और कुंती के सीने, पेट और हाथ पर घर के फर्श पर खून ही खून फैल गया। यह देखकर आरोपी घर से लिया।घटना की जानकारी पर एसीपी ताज सुरक्षा थाना ताजगंज की घायल महिला को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया और में भेज दिया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। एसीपी पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। नाराज था।40 रुपये में खरीदा था सब्जी काटने का चाकू- एसीपी ने से कर रखी थी। पूछताछ में बताया कि उसने दोपहर में ही ताजगंज क्षेत्र की एक दुकान से 40 रुपये में सब्जी काटने वाला चाकू खरीदा था। वह बाइक से आया था। वारदात के बाद भागने की तैयारी थी लेकिन बाइक लेकर नहीं जा सका। उसे पकड़ लिया गया।सुबह ही मारने की धमकी देकर गया था, अनदेखी पड़ी भारी- एक साल से मायके में रह रहीं कुंती देवी पति के उत्पीड़न से परेशान थीं। परिजन ने बताया कि रणवीर शराब पीकर कुंती की पिटाई करता था। परेशान होकर वह अक्सर मायके आ जाती थीं। एक साल पहले पति की पिटाई से परेशान बच्चों के साथ मायके आईं तो फिर लौटकर नहीं गईं। मंगलवार सुबह रणवीर अपने पिता के साथ कुंती को लेने पहुंचा तो उसने साथ जाने से मना कर दिया। रणवीर जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। शाम को वह शराब पीकर आया और कुंती की हत्या कर दी। रणवीर पहले भी कई बार आकर धमका चुका था। ऐसे में कुंती को बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि इस बार वह जान ले लेगा। कुंती देवी की ताई माया ने बताया कि रणवीर सुबह आया और कुंती से घर चलने की बात कही। कहा कि अब मारपीट नहीं करेगा। वह पहले भी कई बार झूठ बोलकर घर ले जा चुका था और फिर पिटाई करता था, इसलिए कुंती नहीं गईं। कहा कि वह बाद में आएगी। इससे रणवीर बौखला गया और पिता राम प्रसाद को लेकर धमकी देते हुए चला गया। कहा कि अब जान लेकर ही मानेगा। कुंती के परिवार के लोग हलवाई का काम करते हैं। सभी काम पर गए थे। शाम करीब चार बजे कुंती पड़ोस की महिला के साथ घर में बैठी थीं। तभी रणवीर आया और चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बच्चों के सिर मां का साया उठ गया।गृह कलह में हत्या का एक सप्ताह में आया दूसरा मामला-पारिवारिक झगड़े में हत्या का एक सप्ताह में सामने आया यह दूसरा मामला है। इससे पहले सिकंदरा के दहतोरा में पत्नी रूबी ने पति सुरेंद्र शर्मा की खीर में नींद की गोलियां खिलाकर हत्या कर दी थी। बाद में शव को बाथरूम में दफना दिया था। 45 दिन बाद हत्याकांड का खुलासा हुआ तो सभी चौंक गए। पत्नी शव को बाथरूम में दफनाने के बाद उसमें रोजाना नहाया भी करती थी। अब पारिवारिक कलह में पति ने पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दीसाले को भेजे थे बाथरूम हत्याकांड के दो वीडियो- कुंती के तहेरे भाई चंदन ने बताया कि आरोपी रणवीर ने उन्हें सोमवार को दो वीडियो भेजे थे। दोनों वीडियो सिकंदरा के दहतोरा में हुए बाथरूम हत्याकांड से जुड़े थे। उन्होंने बताया कि आरोपी संभवतः वीडियो के माध्यम से धमकाना चाहता था लेकिन वह कुछ ज्यादा समझ नहीं पाए।20 मिनट तड़पती रही महिला, लोग बनाते रहे वीडियो- घर में घुसकर पति ने पत्नी पर चाकू से प्रहार किए। भागते समय उसे लोगों ने पकड़ लिया लेकिन घायल कुंती देवी 20 मिनट तक तड़पती रहीं। लोग वीडियो बनाते रहे। 20 मिनट बाद पुलिस पहुंची तब कुंती देवी को अस्पताल पहुंचाया गया। अत्यधिक खून बहने के कारण मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

गला रेतकर महिला की हत्या, पहचान छिपाने के लिए चेहरा जलाया; जंगल में मिला शव

यूपी के मुरादाबाद में गला रेतकर महिला की हत्या कर दी गई। शव को जंगल में फेंक दिया। पहचान छिपाने के लिए उसका चेहरा जला दिया। पुलिस ने आसपास के गांवों में महिला की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं

मिली।मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में महिला की बेरहमी से हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया गया। हत्यारों ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से चेहरा भी जला दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मोढ़ा तैय्या गांव के जंगल में बुधवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला की गर्दन किसी धारदार हथियार से काटी गई थी, जबकि पहचान छिपाने के लिए उसका चेहरा भी जला दिया गया था।गांव निवासी लल्लू सिंह के पुत्र प्रदीप सुबह करीब नौ बजे खेत पर पहुंचे तो उन्हें खेत में महिला का शव पड़ा दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पाकबड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को घेर लिया।पुलिस ने आसपास के गांवों में महिला की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। सीओ हाईवे वरुण कुमार ने भी मौके का निरीक्षण कर जांच के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार महिला की उम्र करीब 30 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसकी हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है। हत्या के बाद पहचान मिटाने के लिए चेहरे को आग से जला दिया गया। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।सीओ हाईवे वरुण कुमार ने बताया कि महिला की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों से लापता महिलाओं की जानकारी भी जुटा रही है, ताकि मृतका की पहचान कर घटना का खुलासा किया जा सके।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बैंक और वेंडर समयबद्ध पूरा करें कार्य - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों तथा वेंडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में योजनांतर्गत लंबित आवेदनों, ऋण स्वीकृति एवं वितरण, सोलर प्लांट स्थापना की प्रगति तथा बैंकों और वेंडरों की कार्यप्रणाली की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी

ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन बैंक शाखाओं एवं शाखा प्रबंधकों द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है अथवा अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, उन्हें चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के पात्र आवेदनों को बिना ठोस कारण के निरस्त (रिजेक्ट) न किया जाए। यदि किसी आवेदन में तकनीकी अथवा अभिलेखीय समस्या हो तो उसकी जानकारी तत्काल यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समयबद्ध तरीके से उसका समाधान कर लाभार्थी को योजना का लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने योजना से जुड़े सभी अधिकृत वेंडरों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं के पूर्ण एवं त्रुटिरहित आवेदन समय से संबंधित बैंकों में प्रस्तुत किए जाएं, जिससे ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही जिन लाभार्थियों के ऋण का वितरण हो चुका है, उनके आवासों पर अधिकतम तीन दिवस के भीतर सोलर प्लांट की स्थापना अनिवार्य रूप से पूर्ण कराई जाए। बैठक में कुछ वेंडरों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी समीक्षा बैठक से अनावश्यक अनुपस्थित रहने वाले वेंडरों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, बैंक अधिकारियों एवं वेंडरों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला अग्रणी प्रबंधक (एलडीएम), विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं शाखा प्रबंधक, यूपीनेडा के अधिकारी तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबद्ध वेंडरों ने प्रतिभाग किया।

Thyroid problems, not stress and depression, could be the real cause of your sadness.

If stress, depression, anxiety, mood swings, persistent fatigue, or memory problems persist for a long time, it's not necessarily just a mental illness. Getting your thyroid checked at the right time can prevent many serious problems. Have you been feeling extremely sad, lonely, or stressed for some time? These problems are often considered symptoms of stress, anxiety, or depression. However, these symptoms don't always reflect mental health issues. Sometimes, physical problems can also be the cause of these problems. Experts say that if problems related to stress, depression, anxiety, mood swings, and persistent fatigue persist for a long time, they shouldn't be ignored. Sometimes, these could be signs of thyroid disorders. Getting your thyroid checked at the right time can prevent many serious problems. Now, the question is, what is the connection between thyroid and mental health? How does this disease, often considered a cause of obesity, affect your mental health? Let's understand this in detail. Problems caused by thyroid: It's important to know that the thyroid gland, a small, butterfly-shaped gland located in the front of our neck, affects almost every organ in the body. It produces hormones that regulate body energy and temperature, metabolism, heartbeat, and even brain function. When thyroid hormones are produced in excess or in excess, their effects are clearly visible not only on the body but also on mental health. This is why many people remain under treatment for depression or anxiety for months, but only when a thyroid test is performed can the real cause be revealed. Importantly, mental symptoms associated with thyroid are so common that they are difficult to recognize. How does the thyroid affect the brain? The thyroid gland produces T3 (triiodothyronine) and T4 (thyroxine) hormones. These hormones regulate the functioning of the body as well as the brain. When these hormone levels are imbalanced, neurotransmitters in the brain like serotonin, dopamine, and noradrenaline can be affected. This is why a person may experience sadness, anxiety, irritability, lack of concentration, and difficulty thinking. Long-term, uncontrolled thyroid can seriously impact mental health. How to identify if stress and anxiety are caused by the thyroid? Hypothyroidism (low thyroid hormone production) causes persistent fatigue, sadness, depression, decreased interest in work, memory problems, and increased sleepiness. If these symptoms are accompanied by weight gain, constipation, increased sensitivity to cold, or increased dryness of the skin, a thyroid test should be performed. Sometimes, the doctor may also prescribe an anti-thyroid antibody test. This risk is higher in women during pregnancy or menopause. Make lifestyle improvements as well: If you have stress and anxiety issues due to thyroid, it's crucial to improve your lifestyle along with medication. A balanced diet, adequate sleep, and regular exercise are also important. Nutrients like iodine, selenium, zinc, and iron are essential for thyroid health, but supplements should be avoided without consulting a doctor. Yoga, meditation, and a regular routine also improve mental health. Smoking and excessive alcohol should be avoided, as these can affect hormonal balance.

Are you troubled by pain during your periods? Does drinking tea provide relief?

The most important feature of herbal tea is that each herb and spice in it has its own unique medicinal properties. The ingredients you add to it combine to make it a treasure trove of health and help reduce period pain. Pain, cramps, backaches, and fatigue during menstruation become a major problem for many women. In such situations, you may resort to painkillers, which is not right. However, some natural remedies can help provide relief. Herbal tea is considered one of these easy and effective options. Made with herbs like ginger, cinnamon, fennel, and chamomile, this tea warms the body and relaxes the muscles. When is it most beneficial to consume? According to experts, if your periods are regular every month, you can start drinking a cup of herbal tea daily 2-3 days before your period. During the first two days of your period, when pain and cramps are most severe, it's safe to consume 1-2 cups a day. However, you should understand and keep in mind that any herbal tea should not be consumed in large quantities. If you are pregnant, breastfeeding, or taking any medication regularly, it's best to consult a doctor before consuming it. What makes it extremely beneficial? The most important feature of herbal tea is that each herb and spice in it has its own unique medicinal properties. Together, the ingredients you add make it a treasure trove of health and help ease period pain. Ginger: Considered helpful in reducing inflammation and relieving nausea. Fennel: Helps reduce stomach cramps and gas. Cinnamon: Considered useful in improving blood circulation and relaxing muscles. Chamomile: May help reduce stress and promote better sleep, which may reduce pain. Basil: Rich in antioxidant properties, it is considered to help the body feel relaxed. How to prepare herbal tea: This herbal tea, which provides relief during menstruation, is very easy to make. First, boil a cup of water and add half an inch of grated ginger, half a teaspoon of fennel seeds, a small piece of cinnamon, and 2-3 chamomile or basil leaves. Let it simmer on low heat for 5-7 minutes. Turn off the heat, strain, and add a teaspoon of honey and a few drops of lemon juice for flavor. Drink it in small quantities while still lukewarm. This will relax both your body and your muscles. Other options: In addition to herbal teas, peppermint tea can also help relieve stomach cramps. Raspberry leaf tea can also be used during menstruation. Additionally, turmeric milk, lukewarm water, adequate fluid intake, and magnesium-rich foods like bananas, pumpkin seeds, and almonds also help relax the body during this time. Warm compresses, light walks, stretching, and getting enough sleep are also considered useful remedies for reducing period pain. If the pain is severe, interferes with normal activities, or is accompanied by excessive bleeding, don't ignore it and consult a gynecologist.

Do you often experience abdominal pain and irregular periods? Are these symptoms of an ovarian cyst?

What exactly are ovarian cysts? What are the possible causes? What bad habits increase the risk, and what symptoms should not be ignored? Let's learn about them. The ovaries are a vital part of the female reproductive system. The problem of ovarian cysts is rapidly increasing. The mere mention of a cyst often raises the fear of cancer, although not every ovarian cyst is cancerous. Most cysts are benign and resolve on their own over time. However, in some cases, they can become large, requiring surgery. Medical reports indicate that conditions such as dietary irregularities, obesity, lack of physical activity, and hormonal changes have many negative impacts on women's health. Ovarian cysts are one such problem. If you frequently experience pain in your lower abdomen, irregular periods, frequent bloating, or unexplained heaviness, get it checked out. This could be a sign of an ovarian cyst. Understand the problem of an ovarian cyst: Eggs develop in the ovaries every month, but sometimes, during this process, a small fluid-filled sac called an ovarian cyst forms. Most women may develop an ovarian cyst at some point in their lives, and often remain undiagnosed because there are no symptoms. However, when the cyst grows or develops complications, pain, bleeding, abdominal swelling, and other problems may appear. If this problem is left unattended and untreated, it can also affect fertility. Why does this problem occur? Hormonal changes are considered the most common cause of ovarian cysts. If the follicle does not rupture properly during ovulation or the egg is not released, it can fill with fluid and form a cyst. Additionally, early pregnancy, pelvic infections, and conditions like PCOS also increase the risk. Genetic factors also increase the risk of cysts in some women. Lifestyle and dietary disorders significantly increase the risk of cysts. What mistakes can be costly? An irregular lifestyle can contribute to hormonal imbalances, which are considered a major cause of ovarian cysts. Junk and processed foods, high sugar intake, persistent stress, insufficient sleep, or lack of physical activity can also increase your risk. Studies have found that smoking and alcohol consumption can also affect the body's hormonal balance. Doctors say that small cysts often remain asymptomatic. However, as they grow in size, they can cause lower abdominal pain, bloating, frequent urination, or pain during intercourse. While not every ovarian cyst can be completely prevented, a healthy lifestyle can help reduce the risk. To reduce your risk, get regular checkups.

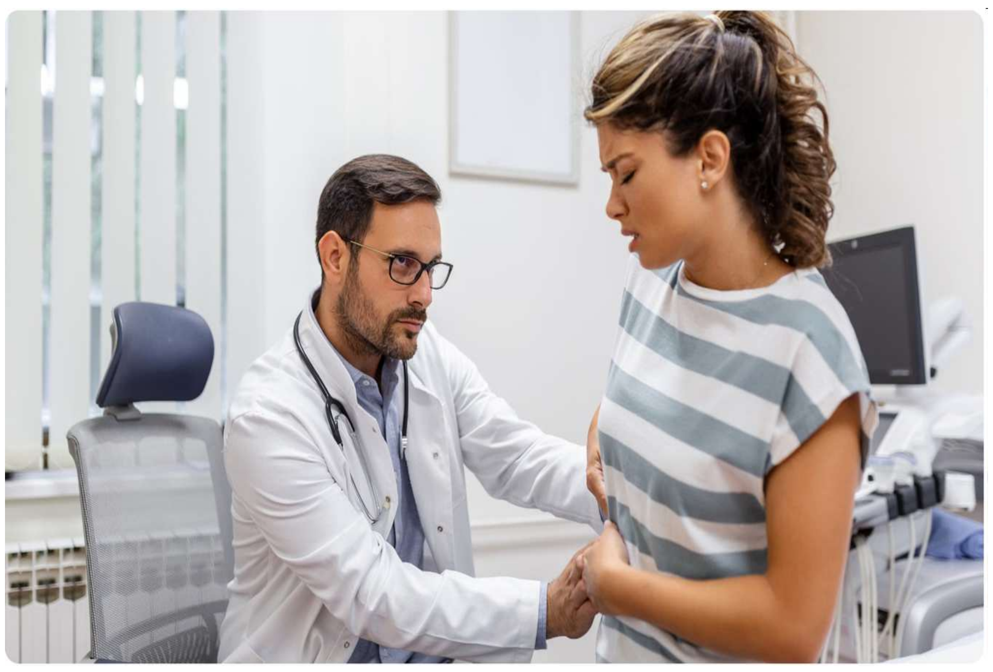

Nawazuddin Siddiqui returns to theatre after 25 years, sharing the stage with his daughter Shora for the first time; learn the full story

Nawazuddin Siddiqui is returning to theatre after nearly 25 years. Learn the full story. This is an emotional and special moment in Nawazuddin Siddiqui's career. Before becoming a big name in films, Nawaz began his acting career in theatre, and now he is returning to the stage with the play "Naqab." This return is even more special because Nawaz will be sharing the stage with his daughter Shora Siddiqui. Shora is also making her acting debut in this play. This is the first time father and daughter will perform together, making this project extremely special for the Siddiqui family. Nawaz's journey began with theatre. Before making a name for himself in films, Nawazuddin Siddiqui honed his acting skills in theatre. It was here that he learned, performed, and honed his craft, which later became a hallmark of his film acting. After nearly two and a half decades, his return to theatre with "Naqab" is akin to returning home. For him, it's not just a play, but a chance to reconnect with his past. On stage with his daughter, Shora Siddiqui, "Naqab" is a remarkable achievement, as Shora Siddiqui makes her acting debut, on the same stage where her father began his career. Nawaz and Shora will be seen together on stage for the first time. This isn't just a performance, but a beautiful story of family, heritage, and the perpetuation of art. What is the story of "Naqab"? "Naqab" will feature suspense, humor, and many unexpected twists. While this play marks Nawaz's return to theatre, it will also introduce audiences to Shora Siddiqui as a new artist. For Nawaz, this project connects his past and present. On one hand, he's reconnecting with theatre, while on the other, he's watching his daughter continue on the same path. Nawazuddin Siddiqui's return with 'Naqab' isn't just a performance, but a tribute to theatre, a recollection of his early days, and the story of a special father-daughter moment.

"I like to walk in the rain so no one can see me cry"; Why did Rajpal Yadav remember Charlie Chaplin?

Mumbai is experiencing heavy rains following the arrival of the monsoon. Rajpal Yadav remembered Charlie Chaplin. He shared a famous quote by the late, great comedian and filmmaker. It's often said that not all days in life are the same. There are times to laugh, and sometimes there are ups and downs. There are times to cry, too. But crying is often considered a weakness. Therefore, people often hide their tears and cry alone. Comedian Charlie Chaplin used to look to the rain for solace. Today, Rajpal Yadav shared a quote from him. Rajpal Yadav shared this quote from Charlie Chaplin. Actor Rajpal Yadav shared a post on his Instagram account. He is seen watching the Mumbai rain with an umbrella. Along with this post, he wrote a quote by Charlie Chaplin, which reads, "I always like to walk in the rain so that no one can see me cry." He said, "Some pains cannot be expressed in words." Rajpal Yadav further wrote, "I completely agree that crying is not a sign of weakness. But there comes a time in every person's life when they just wish no one could see their tears. Because there are some pains that cannot be expressed in words; they can only be felt. Perhaps that is why rain becomes not just a weather but a means to hide those feelings that we want to keep hidden from the world." Netizens praised - Fans are showering this post of famous actor and comedian Rajpal Yadav with love. Some are calling him a brilliant actor, while others are paying him respect. People are writing, "You have a very kind heart. That's why we are your biggest fans." Talking about Rajpal Yadav's work front, these days he is seen in the film 'Welcome to the Jungle'.

Kajal Aggarwal will play Mandodari in 'Ramayana', revealing details about her role and making a significant statement about Yash.

Kajal Aggarwal will soon be seen in Nitesh Tiwari's much-awaited film 'Ramayana'. She plays Ravana's queen Mandodari. Kajal has spoken openly about her role and the film. Find out what the actress had to say. In 'Ramayana', Ranbir Kapoor will play Lord Ram, Sai Pallavi will play Sita, Yash will play Ravana, and Sunny Deol will play Lord Hanuman. While fans are excited to see this large star cast together, Kajal has revealed that her role in the first part of the film is quite small. Kajal's role is limited in the first part - In a recent interview with Zoom, Kajal revealed that Mandodari's role will not be seen much in the first part. She explained that a large part of the story takes place before the Lankan invasion, so her character won't have much screen time in the initial portions. Kajal said, "We've only shot Part 1, and obviously, the Lankan part is minimal, and I'm Mandodari. So, my role is very limited. Despite this, the experience has been amazing. Being a part of such a big film, which is going to be a world premiere, is a very special feeling. I'm very grateful to be a part of a film that is so close to our hearts." What did Kajal say about Yash? Kajal also shared her experience working with Kannada superstar Yash, who plays Ravana in the film. She said that she was already a fan of his work, and working with him was wonderful. She said, "He's a very good actor. I've always admired his work, and working with him on this project was a great experience. He's very involved in the film." He is extremely professional and definitely very talented. 'Ramayan' to be released in two parts - Directed by Nitesh Tiwari, 'Ramayan' will be released in two parts. Its first part will hit the theatres on Diwali 2026, while the second part will be released on Diwali 2027. So far, the makers have shown only a glimpse of the film, in which Ranbir Kapoor is seen as Lord Ram. Along with this, a glimpse of Ravi Dubey (Lakshman), Sai Pallavi (Sita) and the grand world of Ayodhya was also seen. A small glimpse of Yash's Ravana avatar was also shown in the teaser, which has increased the excitement of the fans.